बाइबल की एक कहानी



आशा | उद्देश्य | जीवन

बचाव



उड़ाऊ पुत्र

एक ऐसे पिता के प्रेम की कहानी जो हमेशा प्रतीक्षा करता है, अपनाता है और क्षमा करता है।



जल्दबाजी का निर्णय

यीशु ने बताया कि एक मनुष्य के दो पुत्र थे। एक दिन छोटे पुत्र ने पिता से सम्पत्ति का वह भाग माँगा जो भविष्य में उसका होने वाला था। पिता को दुख हुआ, फिर भी उसने अपनी सम्पत्ति बाँट दी।



घर से दूर

कुछ दिनों बाद छोटा पुत्र अपनी वस्तुएँ लेकर दूर देश चला गया। वह अपने परिवार और पिता की सलाह से दूर अपनी इच्छा के अनुसार जीना चाहता था।



सब कुछ समाप्त हो गया

उस देश में उसने भविष्य की चिन्ता किए बिना सब खर्च कर दिया। जब उसका धन समाप्त हुआ, तब वे लोग भी चले गए जो उसके मित्र जैसे दिखाई देते थे, और वह अकेला रह गया।



भयंकर अकाल

तब उस देश में बड़ा अकाल पड़ा। भोजन मिलना कठिन हो गया, और उस युवक के पास न पैसा था और न विश्राम करने के लिए कोई सुरक्षित स्थान।



कठिन काम

उसे सूअर चराने का काम मिला। उसे इतनी भूख लगी थी कि वह सूअरों का भोजन भी खाना चाहता था, पर कोई उसे कुछ नहीं देता था।



उसे अपना घर याद आया

आखिर वह सोचने लगा, ‘मेरे पिता के घर में मजदूरों के पास भी बहुत रोटी है, और मैं यहाँ भूखा हूँ।’



मैं अपने पिता के पास लौटूँगा

उसने निर्णय लिया, ‘मैं अपने पिता के पास लौटूँगा और कहूँगा: पिता, मैंने परमेश्वर और आपके विरुद्ध पाप किया है। अब मैं आपका पुत्र कहलाने योग्य नहीं; मुझे अपने मजदूरों में से एक के समान रख लीजिए।’



वापसी का मार्ग

इस प्रकार उसने घर लौटने की यात्रा शुरू की। वह थका हुआ और नम्र होकर चलता गया, यह जाने बिना कि उसका पिता उसे कैसे स्वीकार करेगा।



प्रतीक्षा करता हुआ पिता

जब वह अभी दूर ही था, उसके पिता ने उसे देख लिया। करुणा से भरकर वह दौड़ा, उसे गले लगाया और चूमा।



क्षमा का आलिंगन

पुत्र कहने लगा, ‘पिता, मैंने परमेश्वर और आपके विरुद्ध पाप किया है।’ पर पिता ने सेवकों से कहा, ‘सबसे अच्छा वस्त्र लाओ, उसके हाथ में अंगूठी और पैरों में जूतियाँ पहनाओ।’



बड़ा उत्सव

पिता ने बड़ा उत्सव कराया और कहा, ‘मेरा यह पुत्र खो गया था और अब मिल गया है; हमारे लिए यह मानो मर गया था, पर फिर जीवित हो गया।’ और सब आनन्द मनाने लगे।



बड़ा भाई

बड़ा पुत्र खेत से लौटा और उसने संगीत सुना। जब उसने जाना कि उसका भाई लौट आया है, तो वह क्रोधित हुआ और भीतर नहीं जाना चाहता था। तब पिता स्वयं बाहर आकर उससे बात करने लगा।



पिता का प्रेम

पिता ने प्रेम से कहा, ‘बेटा, तू सदा मेरे साथ है और जो कुछ मेरा है वह तेरा है। हमें आनन्द करना चाहिए क्योंकि तेरा भाई खो गया था और मिल गया है।’ इस प्रकार यीशु ने दिखाया कि परमेश्वर लौटने वाले को अपनाने और क्षमा करने के लिए कितना उत्सुक है।